



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	5-4-25	02	3-5

The Tribune



Officials of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University and the Bureau of Indian Standards sign an MoU.

Agri varsity signs MoU with Bureau of Indian Standards

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, APRIL 4

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HCU) has signed a memorandum of understanding with the Bureau of Indian Standards (BIS) with the objective of promoting harmonisation, standardisation, conformity, evaluation and quality of goods, articles, processes, systems and services.

The MoU was signed by representatives of the two bodies in the presence of Vice-Chancellor BR Kamboj and Deputy Director General

(North) Sneh Lata of the Bureau of Indian Standards.

Dean, College of Agricultural Engineering and Technology, SK Pahuja signed the MoU. The VC said the pact was an important step for agriculture and industry.

"This agreement will strengthen mutual cooperation between the two institutions, and will play an important role in promoting high quality standards in the country," he said.

Under the agreement, research and development projects related to standardisation and conformity assess-

ment would be promoted, he added. Lata said seminars, workshops and training programmes would be held under the pact.

The work under the agreement would be accelerated by establishing Centres of Excellence in the field of conformity assessment and establishing coordination between scientists and experts of the university, she added, stating that BIS would draft an action plan to use the facilities provided in the university laboratory for conformity assessment schemes.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूक	5-4-25	04	1-5

कृषि जगत में मानकीकरण को मिलेगा बढ़ावा : प्रो. काम्बोज

जागरण संबद्धाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड बीआइएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नार्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने

- हक्की व भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौते पर किए हस्ताक्षर
- किसानों को नवीन तकनीकों के बारे में किया जा सकेगा प्रशिक्षित



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एमओयू. अधिकारियों के साथ • पीआरओ

इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू. कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध

होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि समझौते के

दोनों संस्थानों के बीच होगा ज्ञान का आदान-प्रदान

डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। अनुरूपता, मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों

के बीच समन्वय स्थापित करके समझौते के तहत कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुरूपता मूल्यांकन योजनाओं के लिए विवि की प्रयोगशाला में प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने की कार्य योजना का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

तहत मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र में मानकीकरण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फार्म स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को व डा. अनुराग उपस्थित रहे।

आधुनिक कृषि तकनीक पर प्रशिक्षित किया जा सके।

इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डा. के रमेश, डा. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डा. अतुल ढाँगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव, डा. रेण मुंजल, आइपीआर सेल के प्रभारी डा. योगेश जिंदल, मीडिया इडवाइजर डा. संदीप आर्य व डा. अनुराग उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसटी	5-4-25	04	7-8

हक्कवि व भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एमओयू अधिकारियों के साथ।

हिसार, 4 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड, बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणु मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टी-भी	5-4-25	11	6-8

एचएयू और बीआईएस में कराए

■ समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया

हरिमूर्ग न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूगे ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देन के उद्देश्य से किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेहलता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एमओयू अधिकारियों के साथ।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणू मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभा चाह	5-4-25	05	1-4

कृषि जगत में मानकीकरण को मिलेगा बढ़ावा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 4 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वक्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अधिराजिकों एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एमओयू अधिकारियों के साथ।

कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई कंचाइयों तक ले जाने में सहायक मिल होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत मानकीकरण और



अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र में मानकीकरण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फॉर्म स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक पर प्रशिक्षित किया जा सके। डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। अनुरूपता, मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित करके समझौते के तहत कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. स्मेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणु मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भाष्टके	5-4-25	03	06

हृषि व भारतीय मानक ब्यूरो बीआईएस के बीच समझौता

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता वस्तुओं, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की मौजूदी में बीआईएस की डिप्टी डायरेक्टर जनरल नॉर्थ स्नेहलता और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। प्रो. बीआर काम्बोज ने इसे कृषि और उद्योग जगत के लिए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता कृषि उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों को नई ऊर्चाई देगा। दोनों संस्थानों के बीच सहयोग मजबूत होगा। देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फॉर्म बनाए जाएंगे। इनसे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक का प्रशिक्षण मिलेगा। डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने कहा कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान होगा। अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच सम्बन्ध से कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं में बीआईएस की योजनाओं के लिए सुविधाओं के उपयोग की कार्य योजना तैयार की जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनिक भाष्टक	5-4-25	०३	७-४

कपास में गुलाबी सुंडी का असर साल 2024 में घटकर पहुंचा 26 प्रतिशत

हक्की में गुलाबी सुंडी के प्रबंधन हेतु प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग



हक्की में गुलाबी सुंडी के प्रबंधन पर प्री सीजन रिव्यू मीटिंग में उपस्थित प्रो. बीआर काम्बोज।

भारत न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फैलैचर भवन में बीटी कपास में गुलाबी सुंडी के प्रकोप और प्रबंधन पर प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। इसमें हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी, बीज कंपनियों के प्रतिनिधि और प्रगतिशील किसान शामिल हुए। सभी ने कपास की फसल की स्थिति पर चर्चा कर रणनीति बनाई।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा पिछले साल सभी के सहयोग से गुलाबी सुंडी से कपास की फसल को बचाने में सफलता मिली। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में गुलाबी सुंडी

का प्रकोप 76 प्रतिशत था, जो 2024 में घटकर 26 प्रतिशत रह गया। वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर जारी की गई संयुक्त एडवाइजरी से यह संभव हुआ। इस वर्ष भी एडवाइजरी को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के प्रयास होंगे। कुलपति ने किसानों से कहा कि नस्ये की बन्धियों को खेत में न रखें। अगर रखी हैं तो बिजाई से पहले इन्हें अच्छी तरह झाड़कर दूसरी जगह रखें। अधिकारी टिप्पणी और सूखे कचरे को नष्ट करें ताकि सुंडी को रोका जा सके।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक कपास डॉ. आरपी सिहां ने बताया कि विभाग खेतों में सुंडी के प्रकोप की निगरानी के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की डियूटी लगाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उजाला	5-4-25	02	3-5

गुलाबी सुंडी का प्रकोप 76 से 26 फीसदी पर आया, शून्य ले जाना लक्ष्य : कांबोज

एचएयू के कुलपति बोले-गुलाबी सुंडी प्रबंधन के लिए अप्रैल से ही शुरू करेंगे काम

मार्ड स्टीरी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बीटी कपास में गुलाबी सुंडी के प्रकोप एवं प्रबंधन विषय पर हितधारकों की प्री-सीजन रिव्यू बैठक कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की अध्यक्षता में हुई।

प्रो. कांबोज ने कहा कि गत वर्ष गुलाबी सुंडी के प्रकोप से कपास की फसल को बचाने में कामयाबी मिली। वर्ष 2023 के मुकाबले वर्ष 2024 में गुलाबी सुंडी का प्रकोप 76 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत रहा। हमें इसे शून्य की ओर ले जाने के लक्ष्य के साथ काम करना होगा।

बैठक में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, कृषि एवं

किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, कपास से जुड़ी बीज कंपनियों, प्रगतिशील किसानों ने कपास की फसल की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की।

प्रो. कांबोज ने कहा कि वैज्ञानिकों की ओर से समय-समय पर दी गई संयुक्त एडवाइजरी से गुलाबी सुंडी नियंत्रण में मदद मिली। इस वर्ष एडवाइजरी को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे। किसान नरमे की बन्धियों को खेत में न रखें, अधिखिले टिंडों एवं सूखे कचरे को नष्ट कर दें।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालय 15 दिन में रिपोर्ट साझा करेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त

निदेशक (कपास) डॉ. आरपी सिहा ने बताया कि नरमा फसल में गुलाबी सुंडी के प्रकोप का निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी लुधियाना से डॉ. विजय कुमार, एसके राजस्थान एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बीकानेर से डॉ. एनके शर्मा, कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया से बृजेश कसना, सीआईसीआर सिरसा से डॉ. ऋषि कुमार, हरियाणा के कपास उत्पादक जिलों के डिप्टी डायरेक्टर ऑफ एग्रीकल्चर ने अपने सुझाव दिए।

बैठक में रशि सीइस, अंकुर सीइस, अजीत सीइस, बायो सीइस व रैलीस सीइस के प्रतिनिधियों ने सुझाव दिए। मंच संचालन डॉ. अनिल वत्स ने किया।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	04.04.25	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर



सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड, बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्लेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

प्रो. काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने

को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज़ समस्त हरियाणा न्यूज़	04.04.25	--	--

हकूमि व भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

समस्त हरियाणा न्यूज़ कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक कंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ ईंडियन स्टैंडर्ड होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीआईएस) के साथ एक समझौता बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि और सेवाओं के सामंजस्य पूर्ण, समझौते के तहत मानकीकरण और मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुरूपता एवं विकास परियोजनाओं किया गया है। विश्वविद्यालय के को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रो. काम्बोज कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज की ने बताया कि कृषि क्षेत्र में मानकीकरण उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं डिटी डायरेक्टर जनरल (नवीं) स्नेह विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-



अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महा कृषि प्रदर्शन फॉर्म स्थापित किए विद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके जारैंगे, जिससे किसानों को आधुनिक पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. कृषि तकनीक पर प्रशिक्षित किया जा वी.आर. काम्बोज ने इस समझौते को सके। डिटी डायरेक्टर स्नेहलता ने कृषि और उद्योग जगत के लिए एक बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और समन्वय स्थापित करके समझौते के जाएगा। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. संदीप आर्य व महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों तहत कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यज	04.04.25	--	--

हकुमिं और भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

पांच बजे न्यज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीटीआरएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा यस्तों, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर आधारित है। इस समझौते को बदला देने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. कामोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से इटी डायरेक्टर जमल (नॉर्थ) द्वारा लाता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अधिकारी एवं प्रौद्योगिकी मानविद्यालय के अधिकृत डॉ. एसक याहुजा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. डॉ. आर. कामोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच प्रारम्भिक सहयोग को



धैर्य में युग्मता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊँचाईयों तक ते जाने में सहयोग किए गए। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच प्रारम्भिक सहयोग को

मजबूत करेगा और देश में उच्च युग्मता मानकों को बदला देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उद्देश्य बताया कि समझौते के तहत

मानकोंकारण और संस्कृत, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों अनुसुन्धान मूल्यांकन के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का संबंधित आदान-प्रदान किया जाएगा। अनुसुन्धान, अनुसंधान एवं मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता बोर्ड स्थापित विभिन्न परियोजनाओं करने और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और को बढ़ावा दिया विशेषज्ञों के बीच सम्बन्ध स्थापित करके जाएगा। प्रो. कामोज के समझौते के तहत कार्यों की गति प्रदान की जाएगी। उद्देश्य बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुसुन्धान मूल्यांकन योजनाओं के लिए को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय को प्रयोगशाला में प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने की कार्य योजना विभिन्न परियोजनाओं का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की प्रार्थनिकाता दी गयी। के. रमेश, डॉ. नवीत यादव, जाल्ही। मानकोंकारण विश्वविद्यालय से भोजपुरी डॉ. अमृत दीक्षा, मानव संसाधन प्रबन्धन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणु मुजल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिला, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर व डॉ. अनुराग उपस्थित हैं।